n£ Hindi Text of President's Speech to be read by the Prime Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN; I have invited the Speaker of the Turkish Parliament to lunch. I had to so „ i? 30. Mr. Aji[L] P. K. Josi will deal with the business. He is competent enough. Let him take over.

[उपसभाध्यक्ष श्री अजीत जोगी पीठासीन हुए।]

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे इसकी लिखित में अनुमति मिल गई थी । आज रात्रि में स्वर्ण जयन्ती का कार्यक्रम हो रहा है। ऐसे कार्यक्रम में आज तक यह परम्परा रही है कि राष्ट्रपति अगर हिन्दी में भाषण देते हैं तो चेयरमैन, राज्य सभा उसका अंग्रेजी में ट्रान्सलेशन पढ़ते हैं और अगर अंग्रेजी में भाषण देते हैं तो राज्य सभा के सभापति उसका हिन्दी में ट्रान्सलेशन पढ़ते हैं । अभी राष्ट्रपति जी का जो स्वागत हुआ उस समय भी राष्ट्रपति जी ने अंग्रेजी में भाषण दिया और हिन्दी में डिप्टी चैयरमैन ने उसका अनुवाद पढ़ा था । आज यह कन्वेशन तोड़ी जा रही है, यहां पर राष्ट्रपति के भाषण के बाद उनके भाषण का अनुवाद प्रधान मंत्री जी पढ़ेंगे । इस तरह का काम आज तक कभी नहीं हुआ । मैं यह जानना चाहता हूं कि यह नई परम्परा क्यों डाली जा रही है ? आखिर इसके लिए कोई तो कारण होगा ? अभी 15 दिन पहले जब उनका भाषण हुआ तो ऐसा नहीं था । 15 दिन के बाद क्यों बवाल आया है और यह ऐसी बात क्यों हुई है ? जो कहा जा रहा है वह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि रूलिंग पार्टी के खिलाफ डिप्टी चैयरमैन का रवया रहा है । उनकी रिलायेबिलिटी रही है, उन्होंने यहां पर सदन को ठीक तरह से चलाया है । उसकी कोई शिकायत रही है ...

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : माननीय सदस्य अपनी बात कह ली, अब कृपया समाप्त करिये ।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : नहीं, आप मुझे बताइये क्यों इसको किया जा रहा है ? आखिर 50 साल की कन्वेंशन क्यों तोड़ी जा रही है ? फिफ्टी ईयर्स हम मना रहे हैं ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Please sit down.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Let me know.

क्या इसकी वजह है, क्यों इसको किया जा रहा है ?

THE VICE-CHAIRMAN **(SHRI AJIT** P. K. JOGI): Appropriation Bill. *(.Interruption).*

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : यह हमारी राज्य सभा का सवाल है .... (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : यह महत्वपूर्ण मामला है, इसके ऊपर कोई प्रतिक्रिया तो आनी चाहिये । क्योंकि इसके साथ ... (**व्यवधान**)

THH VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K icx.l); The Chair cannot *fate** the Government to react.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : नहीं, सरकार के लोग.. (**व्यवधान**)....हम उत्तर की अपेक्षा करते हैं ... (**व्यवधान**)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : महोदय ... (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : मल्होत्रा जी आप बैठ जाइये ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : हम उनके साथ सहयोग कर रहे थे । हम उनसे यह भी अपेक्षा करते है, हमारी उनसे आशा है कि अगर एक महत्वपूर्ण मामला हमारे मित्र मल्होत्रा जी उठा रहे है तो उसका कुछ न कुछ तो उत्तर आना चाहिये, प्रतिक्रिया आनी चाहिये ।

इसी तरह से पहले भी एक रेलवे बेगन का मामला पड़ा हुआ है । कम से कम जो उठाया है ..(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : चलिये, काम को आगे बढ़ाइये । चतुर्वेदी जी कृपया बैठ जाइयें ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं बैठ जाता हूं ।...(व्यवधान)

SHRI K. R. MALKANI (Delhi): Sir, *(Interruption)*.

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : मलहोत्रा जी बैठिये, मलकानी जी प्लीज सिट डाउन ।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will you convey our feelings?

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आपसे-यह निवेदन है कि कम से कम आप सरकार की तरफ मुखातिब होकर उससे पूछिये कि वह कुछ कहना चाहती है या नहीं ? वह नहीं कहना चाहती हो तो बात दूसरी है । मगर आपसे दोबारा निवेदन है कि कम से कम ऐसे मामले पर आप उनसे पूछिये तो

At IC;<M you address the Treasury Heuche*. You can ask the Treasury Beacfoe* whether they at-e reacting n• it <>r not.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT *f. K* JOGI): We have to take up the Rail«ay Appropriation Bill. Mi ^eroande*.

PROF VI] W KUMAH MALHOTRA. r hav* raised an Important macer

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आप उपसभाध्यक्ष की हैसियत से कम से कम ...(व्यवधान) आपसे निवेदन है.... (व्यवधान)

SHRI JOHAN F. FERNANDES (Goa): Mr. Vice-Chairman, Sir.I 1 have raised a point of order. A state-aaent is sought to be]atd.

I HE VICE-CHAIRMAN (SHRI AHf P. K. JOGI) While initiating the debate, you can mention this poait also.

SHRI JOHAN: F. FERNANDES Has the statement been laid on the Table of the House for a. discussion?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): This i_s the Railway Ap propriation Bill, not the statement.

SHRI JOHAN: F. FERNANDES I asked the Deputy Chairman whether we ca_n discu-s the s^te™"'' also. . . *(Interruptions)*.. .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOG): Yon ha-e to initiate the debate. .. *(Interruptions)*. . So far that statement has not been laid. The Deputy Chairman did not allow it.

SHRI JOHAN F. FERNANDES: Has it been withdrawn? .. *(Interruption}*••

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : भंडारी जी को बोलना है ...(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. IOC.IV. I am *warty.* Mr Bhandari will initiate.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : भंडारी जी से बोलने से पहले बता तो दीजिये, जो सवाल हमने आपसे पूछा था उसका क्या हुआ ? ...(व्यवधान)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आप उधर मुखातिब नहीं हो रहे हैं, सरकार की तरफ से...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : स्टेटमेंट ले तो हुआ नहीं । भंडारी जी आप बोलना शुरू करें । . . . (व्यवधान)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : प्रश्न यह है कि . . . (व्यवधान) बेरूखी क्यों है । . . . (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : आप सभी ही मेंबर को नहीं बोलने दे रहे हैं, चतुर्वेदी जी । . . . . (व्यवधान)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : हमारी बात का जवाब नहीं आ रहा है, आप इनसे पूछते भी नहीं . . (व्यवधान) . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : भंडारी जी, आप बोलना शुरू कीजिये . . . . (व्यवधान)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : चेयरमैन साहब आप इस बात पर चुप क्यों हैं . . . (व्यवधान)

आप रीऐक्ट क्यों नहीं करते । यहां पर राम विलास पासवान जी हैं, गवर्नमेंट के मिनिस्टर्स हैं . . . (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : भंडारी साहब, आप बोलना शुरू करें । (व्यवधान)

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : मैं तो बोल दूंगा लेकिन जो सवाल यहां पर उठाए जा रहे हैं उनका जवाब तो पहले दिलवा दीजिए । . . (व्यवधान)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आप पूछिए न उनको . . (व्यवधान)

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : सदन सरकार से जो जानकारी चाहता है, सदन को वह जानकारी सरकार द्वारा प्रोवाइड क्यों नहीं की जा रही है ? . . . (व्यवधान)

{Interruptions). It is for the Government to react. *(Interruptions).*

भंडारी साहब, आप बोलना शुरू करें । . . . (व्यवधान) . . .

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : इसमें गवर्नमेंट का रीऐक्शन आना चाहिए ।

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VHDI: We want the Government's reaction. It can be insert; it can be a dumb reaction. But we should know. *[Interruptions).*

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): What is the stand of the Government?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AIIT P. K. JOGI): The Government is not reacting. *(Interruptions)*

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: How can you intepret the Gov ernment's mind? (

SHRI H. HANUMANTHAPPA: It is a programme of Parliament, not of Government

श्री एस०एस० अहलुवालिया (बिहार) : आज तक यह कन्वेंशन रहा है कि राष्ट्रपति महोदय जो भी भाषण अंग्रेजी में पढ़ते हैं उसका हिन्दी अनुवाद उपराष्ट्रपति पढ़ते हैं। सभी उपराष्ट्रपति का चुनाव नहीं हुआ है लेकिन यहां पर ऐक्टिंग चेयरमैन हैं। उन्होंने पिछला भाषण भी पढ़ा है। तो यह चले क्यों, इसे परिवर्तित क्यों ? . . (व्यवधान) . .

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : उर्दू में . . . (व्यवधान) . . लेकिन हमारी चेयरमैन उर्दू में भी पढ़ सकती हैं, हिन्दी में भी पढ़ सकती हैं। ऐसी क्या बात है, ऐसी क्या मजबूरी आ गई है ? यह मजबूरी कौन सी है, उस मजबूरी के बारे में हम जानना चाहते हैं । . . (व्यवधान) . .

The vice chairman 0shri ajit p.k jogi0
you know that the chair cannot force th govement to reat

श्री एस०एस० अहलुवालिया : महोदय अगर संविधान को पढ़ें तो राष्ट्रपति वही चीज पढ़ता है जो कौंसिल आफ मिनिस्टर पास करके भेजती है। उपराष्ट्रपति कौंसिल आफ मिनिस्टर का हिस्सा नहीं है, यही कारण है कि वह अंग्रेजी का अनुवाद हिन्दी में पढ़ता है या हिन्दी का अनुवाद अंग्रेजी में पढ़ता है। लेकिन यहां पर प्राइम मिनिस्टर जो कौंसिल आफ मिनिस्टर्स का हिस्सा है और वही राष्ट्रपति के लिए स्पीच तैयार करता है तो वही उसका अनुवाद पढ़े यह बात कुछ अच्छी नहीं लगती। (व्यवधान) इस तरह से राज्य सभा का अपमान करने की क्या जरूरत है? यह कौन सी नयी परम्परा डाली जा रही है?.. (व्यवधान)..

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : इस पर सरकार का.. (व्यवधान)..

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : चतुर्वेदी जी, आप बोल चुके हैं। मैंने आपकी पूरी बात सुन ली है।.. (व्यवधान) मल्होत्रा साहब, आप भी बैठ जाइए।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: (West Bengal): May I suggest this, Sir? Let us all request the Minister of State for Parliamentary Affairs to find out the reasons for the deviation from the tradition and let her come back to the House, I also ...(*Interruptions*).

SHRI S. S. AHLUWALIA: It is an insult to our Presiding Officer, We are not going to tolerate, (*Interruptions*).

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I also feel that when there is a tradition over the years, that tradition should be kept up. There is no reason why there should be a deviation from that, I only request through you, Sir, my good friend Mrs. Natarajan to kindly speak to the people concerned who have taken the decision—I do not know who has done it—and come back to the House and let us know what is happening. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Would you react, Madam?

SHRI S. S. AHLUWALIA: Let her assure the House .. . *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AIIT P. K. IOGI: Mrs. Jayanthi Natarajan wants to say something. *{Interruptions),* Mrs. Jayanthi Natarajan. *(Interruptions)* .

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, I appeal to you. Let us not waste **our** time on this. *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AIIT P. K. JOGI): Will all of you please sit down? *(Interruptions).*

बैठिए, मल्होत्रा साहब, आप बोल चुके।

I know the feelings of the House now. *(Interruptions).* Please sit down, tin-*tenuptions).* Will you please sit down?

श्री एस०एस० अहलुवालिया : सरकार की तरफ से उत्तर आना चाहिए। कल भी फंक्शन के बारे में बहुत सारे प्रश्न उठे हैं, आज भी उठ रहे हैं। (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AIIT P. K. JOGI-. She is saying something. The Government is reacting. Please sit down. *(Interruptions)*

TUB MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTBR OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY VI l AIRS (SHRIMATI JAYANTHI VWARAJAN): Sir, I am totally in the hands of the ttnue. 1 en Yesterday/, certain matter, about the ceremony were raised and Mr. Jaipal Reddy made U clear that the Governmen, has a limited role in this. It is not in the hands °* the Government. The Government does not decide this porRramme. *(Inter rup-tioma)*

IMF VJCE_CHA1RM\N (SHU \"1

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : प्राइम मिनिस्टर के हाथ में टाम्बेशन करना है या नहीं।.. (व्यवधान)

Milhotm. let *h** **ftftith** ***liMtrruptiont)***

SHRIMAT1 JAYANTHI NATARAf-JAN: Sir, let Mr. Malhotra speak. *(/«-temiptions)*

PROF. RAM KAPSE (Maharashtra): lit her enquire into what we have Emitted first. *{Interruptions)* She can *corns* back and inform us about the same, *[Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. I0GI): Prof. Kapse, you have not Ivcn permitted to speak. Let her finish. Have the patience to listen to her. Let her finish. *(Interruptions)* you don't allow the Minister t0 speak. You want the Government t0 react. When she speaks, you don't allow her to speak. Please sit down. Let her speak. *(In-titmptions)*

SHRIMATT JAYANTHI NATARA-MN: Sir. ,'f the hon. Members are wil-N 'o listen !,, what i say, I am ready 1° say something. Otherwise, r will sit *W. *interruptions)* All I am trying I0ay is that ,he Government has Minuted role to play in this if ^e wishes me to convey the sentiments Members t0 ,he hon. Speaker I know the propriety. . . *(Inrerrup-'^* If you wan, me to do it, T will . I d0 not know whether

Shri Triloki natarajan vedi for this is very unfair the nameof the speaker had been mentioned did be take this role whether in part of in full interruption let the entire my entry be

THE VICE CHAIRMAN SHRI AJIT P.K.

JOGI mr chaturvedit don't you issue th piture to

listen to her

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: Sir, I have that patience.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): But you don't show that patience.

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-JAN: Mr. Chaturvedi, I don't want to mislead the House. I have better principles than that. *(Interruptions)*

SHRI TRILOKI NATH CHATUR-VEDI: Sir, she is giving sermons to me. She belongs to the Congres$ party and is sitting there as a Minister. *(Interruptions)* She is giving sermons to me about principles.

THE VICE-CHAIRMAN <SHRI AJIT P. K. JOGI): Mr. Chaturvedi, will you please sit down?

SHRI TRILOKI NA7H CHATURVEDI; Sir, I don't want to listen to the sermons being given by Shrimati Jayan-thj Natarajan. *(Interruptions)*

SHRI S. S. AHLUWALIA; Mr. Chaturvedi, why are yon making it personal? *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Mr. Chaturvedi, you are a very senior Member. Will you please sit down?

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir. I will sit down. But you have also to take into account what she is saying. You have also to safeguard our rights. *I Interruptions)* .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): She is wanting to voniething.

SHRI C.URUDAS DAS GUPTA: These comments are extremely unfortunate and unwarranted.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I expected more patience from a senior and *rt^peottd* Member like Mr. Chaturvedi. I-was saying that I ;*oul4. not ^isleavj the *Hoyt^* »»! 1 was referring to my principle*. I was

ShrimaU Jayanthi Natarajan—dontd.

saying that I would not mislead the House . It js not my duty to mislead the House. It ig unfortunate that Mr. Chaturvedi reacted. But 1 bave i00w1^ more to say on what is going on, It is very unfortunate that the Members got up and said something to which I reacted. I refused to say anything because I knew that the Government has no role to play in this. The Government does not play any role in this. This is a function which is being organised elsewhere. Since I did not want to mention these things on the flow of the House, I kept quiet. T. was forced to get up and say something and I said that the Government has a limited role to play. Then again, when the Members said "go and do something". I said;

•'Who should I teld? Should I go and tell the people organising it that this is what the Members said? Do you want me to go to the person who is organising it and do you want me to tell him all these th'ngs? Is i< ptoperiety'"" This was what I said. Mr. Chaturvedi said that *I* have mentioned the name of the Speaker. With great regret. 1 have to point out and you can check the record that I have not mentioned It. I have been very careful. 1 have requested the Members to tell m^ who they want me io go and convey th's to? I will go and convey it to him. *{Interruptions)* The Government has no role to play in this. My responsibility is to apeak lor the Government. The Gov-•ranertt has no roU in tb».

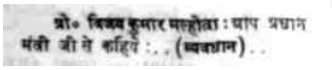

He i« not to translate. This is not hit function.

SHRIMATI IAYANTHI NATARA JAM: Sir, r» o«a miauta, I will finish ay commerce

THE VICE-CHAIRMAN tSHRl AJIT *f. K* (OCII Mr. Malhotra. l*t her lai*.

BttiMATI IAYANTHT MATARA IAN fWt 1, wfcy l *ikm^* wlA £,

Members, whatever their agitation i(i i that we take it very seriously. Pleas; let us discuss jt elsewhere, not on the floor of the House. I plead with tin members that I will come out and tall to you in 'he lobby. I plead with you not to discuss it on the floor of the House. Let us discuss it in the lobby, t -M", sit vivth you now, whatever 4« problems are. That i* *M * wan t to say, *'Interruptions)*....

SHRI K. R. MALKANI: Mr. Via-Chairman, Sir. .. *.(.Interruptions)* ....

श्री एस० एस० अहलुवालिया : उपसभापति महोदय, सरकार का यह कहना कि यह सरकार उसमें इन्वाल्व नहीं है, यह गलत बात है क्योंकि क्वाइट सेशन बिना सरकार की अनुमति के बिना राष्ट्रपति की अनुमति के नहीं बुलाया जा सकता है । पहली बात । दूसरी बात राष्ट्रपति जो फैसला करते हैं

on the aid and advice of the Council of Ministers.

यह संविधान में लिखा है । जिस क्वाइट सेशन को जो वे एड्रेस करेंगे, जो वह भाषण देंगे वह भाषण काउंसिल आफ मिनिस्टर्स ने ड्राफ्ट किया है, पास किया है । उसका अनुवाद यह परंपरा रही है, अब से यह सदन बना है, संसद बना है, कि राष्ट्रपति का भाषण उपराष्ट्रपति द्वारा अनुवादित भाषा में बोला जाता है । आज यह क्या अकल पड़ी कि उपराष्ट्रपति को हटाकर, उपराष्ट्रपति के पद को हटाकर यहां पर उन्होंने प्रधान मंत्री का नाम लिखा है । यह जानने की जरूरत है । यह सरकार का कहना कि हम इसमें जिम्मेदार नहीं है या हम इसमें इन्वाल्व नहीं है, हमसे पूछा नहीं गया, यह गलत बात है और गैर-संवैधानिक है । सर, बिना आपकी एड एण्ड एडवाइस के कोई भाषण पढ़ा जा सके ऐसा लिखा जा रहा है तो वह गैरसंवैधानिक है । इसका मुंह जवाब चाहिए . . (व्यवधान) . . यह सदन की अवमानना हो रही है । यह सदन का अपमान हो रहा है ।

उपसभापति (श्री अकबर लोनी) एक बात सुनो है । भोजन सकाश का समय है। क्या आदर चाहता है कि भोजन सकाश हो या नहीं ?

कई माननीय सदस्य : हां ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P K. JOGI): *Do* you want lunch-break? . ***.(Inltrruptions)..***

SHRI S. S. AHLUWALIA: Yes, yes. We want lunch-break. *(Interruptions)* . .

THE VIC&CHAIRMAN (SHRI AJIT P. *K.* JOGI): What [is tne Mnse of ^ House? Do you want lunch-break? *(Interruptions)* **..**

श्री एस०एस० अहलुवालिया : मा डिमांड कह रही है कि हमारा कुछ लेना-देना नहीं है। 50 साल की स्वर्ण जयंती है और कुछ लेना-देना नहीं है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): I Want the sense of *ik* House for lunch-break. *(Interrup,* ***lions)..***

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : क्या किया जा रहा है? आज तक पता नहीं है। रोज छुट्टे हैं... (व्यवधान)..

[1] THE MINISTER OF INFORMATION [A]ND BROADCASTING (SHRI S JAI-WL REDDY): Mr. Vice-Chairman we require sense of the House for ' ad-niwt. if ,he principal Opposition Nty wants that we should adjourn, we [J]B«e.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT .,, The House is adjourned [Ul] [2]-W P.M.

The Hou=- then adjourned (or lunch n* there minutes past °* «>f the clock.

the house reasembled after lunch *at* V|c[F4]1^** JJ* 'wo *of* the clock. THE [WRMUM]^- (SHRI SANATAN ^ »«W **Chu,.**

THE APPROPR/AT/ON (RAILWAYS NO. 4 B/IX, 1997 ___ CONTD.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI) Now, Shri Ram Vilas Paswan to make a statement regarding wa?ons.

SHRI JIBON ROY (West Bengal): No, (Sir. We have already discussed this issue. First of all, the decision of the Committee which was formed by this augus, Housg has got to be implemented. The question involves the life and employment of hundreds of thousands of employees and the existence or otherwise of a number of factories. The question also involves many Government assets.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Now, I will have to take the sense of the House. Hon, Members, there are two things. One is the Appropriation (Railways) No. 4 Bill, 1997 and the other is a statement on wagons. Which one shall we take u» first?

SOME HON. MEMBERS: Let us finl Vike up the Bill.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): The sense of the House is that [we] should first take up the Bill. Shri Sunder Singh Bhandari to speak.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, रेलवे एप्रोप्रिएशन बिल के बारे में मैं अपने विचार आप के द्वारा सदन तक पहुंचाना चाहता हूं।

वैसे तो यह टैक्नीकल सप्लीमेंटरी डिमांड्स की बात है, लेकिन इस में 38-39 नयी योजनाओं का समावेश किया गया है ये अरबों रुपए की योजनाएं हैं और टोकन के रूप में 10-10 लाख रुपया हरेक के लिए रखा गया है। मुझे लगता है कि रेलवे को इस बात पर विचार करना चाहिए यह इतनी सारी स्कीम्स लेने का काम पहली बार नहीं है। उन्होंने कुछ और पिछले 2-3 सालों में विस्तार की योजनाएं बनाई हैं, लेकिन दुख इसी बात का है कि यह लंबी होती जाती है और उन का खर्चा, उन की लागत बढ़ती रहती है। तो केवल हम घोषणा